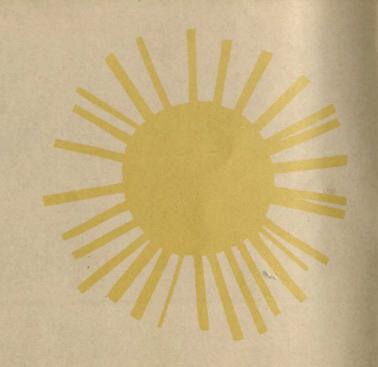


वासाइ वाभान

৪ ৭ ছবি ও লেখা ঃ সিগ্রুণ শ্রীবাস্তব

৯৭৪ অনুবাদ ঃ স্বপ্না দত্ত





वासात वागाविष्टिक वासि थूव छालवाित । वासात वागावत साली छवािसंहै।



वासात वागाव थूव वरु वरा।

(छोरका এक कालि असि साज।

किन्न वागावछ। वरु श्रन्तत।

उटे। वासात विरक्तत किवा।

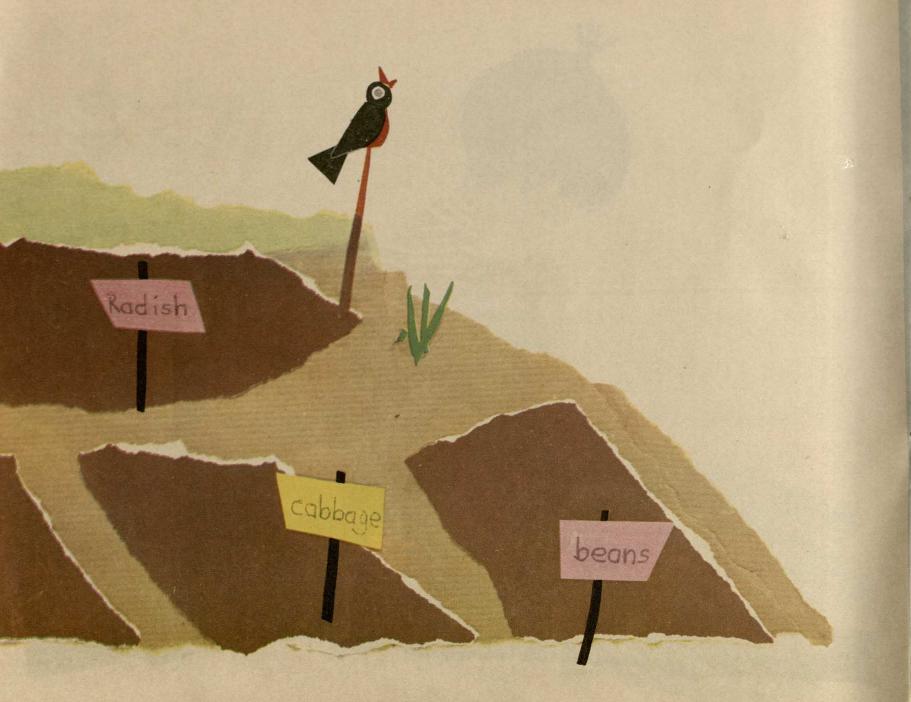




वाशास्त वासि খूव सन फिरा काफ कित ।
साि थूँ एक प्रिटेश कास करत फिरे।
ठातश्रत ছाि ছाि एकताती ठेती कित ।
अक अकि। ठतकातीत क्रम अक अकि। ।
वासात कुरमत क्रम क्रम हिंदी कित ।
कि श्रम्त वासात कुम्छला ।







তারপর বীজ পুঁততে শুরু করি।
গাজর লাগাই, মটর লাগাই।
বেগুন আর পালংশাক,
বাঁধাকপি আর ফুলকপি।
আর ফুলর সবুজ বড় বড় লংকা।
আমার বাবা লংকা খেতে
ভারী ভালবাসেন যে, তাই!





রোজ সকালে আমি বাগানে জল দিই। वात करत छाताश्रमा रतरतारत সেই অপেক্ষায় থাকি। এक फित एसि। व फित। ठित फित। পুরো সপ্তাহটাই অপেক্ষা করে কাটে। তারপর যখন সব আশাই ফুরিয়ে গেছে ज्थत रुठाए सूरला गाष्ट्रभरला साि कूँ एउ अर्छ। वासात এত वातन रहा एरा वासि नाएए छक कति।



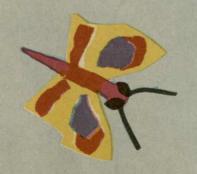




এবারে আমার প্রিয় ফুল আর তরকারীর চারাগুলো তুলে নিয়ে তাদের নিজের নিজের জায়গায় লাগিয়ে দিই। তার মধ্যে ফুক্স থাকে, পিটুনিয়া থাকে। আর থাকে লিলি আর ক্যালেণ্ডুলা। শীতকালে গোলাপও হয়।



এবারে গাছের উপর রুষ্টি পড়ছে। वास्य वास्य টিপ টিপ টিপ টিপ করে। वर्षात नमरश वावात জात জात वृष्टि भरङ्।



কত ছোট ছোট প্রাণী আমার বাগানে ঘুরতে আসে। প্রজাপতিরা আসে। মৌমাছিরা আসে। কাঠবিড়ালি, কেঁচো আর ব্যাণ্ডেরাও আসে।





वारिक्ता जातात सूरलात छेशत फिरश लाफिरश लाफिरश शाश। जात तृष्टि श्रम् ताँधाकिशत शाजात तीरह तरम शाक। अता तमरल जासात किन्न ताग रश ता। उथव अफ्त फ्था कि सुक्ता लाएग।

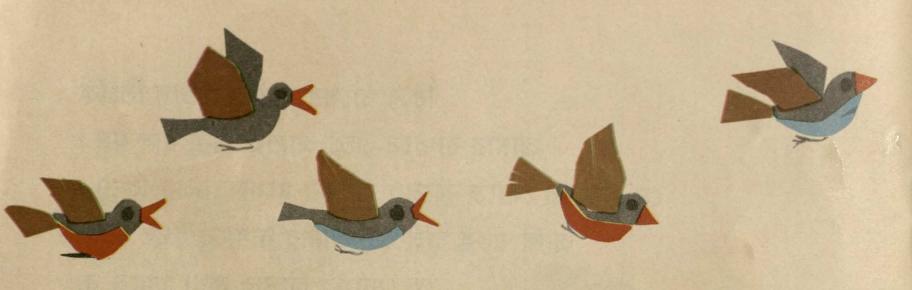




কিন্তু পাশের বাড়ীর বেড়াল ভিংকি আমার বাগানে এলে আমার ভারী রাগ হয়। সে ইঁছরের খোঁজে ফুলের ঝাড়ের মধ্যে লাফায় কিনা। আমি যতই বলি যে 'আমার বাগানে ইঁছর নেই' সে মোটেই আমার কথা শোনে না



ति या 'আমার বাগানে ইঁছর নেই'
সে মোটেই আমার কথা শোনে না
আর আমার লিলিফুলগুলো
মাড়িয়ে চলে যায়।
আমার ছোটু গোলাপী লিলিফুল!
তখন আমার কাঁদতে ইচ্ছে করে।



हर्षे शिश्ति वासात सन शाताश करत एत् । जाता वासात शानः वात सहैत छरना ठूकरत एत् । वासि जाएत उग्न एत्थारतात करता अकहा काक जार्जू शा रिज्ती कतनास। किन्न प्रिहा एत्था जाता स्मारहे हे- उग्न एशन ता। प्रिहित वातात किरत अन।



चार्छ चार्छ अक नसरा नश्काश्रम। टानात सठ रहा। **हेरसर्हे**। एक लाल रहा अर्छ। वाप्ति वाप्तात कुछि ि विरयं ठतकाती ठूल एव यारे। ताष्ठ्र चात्रकश्रमा जतकाती जामात मज रहा। याता जामारक जात जामात तागात प्रशंक जाएम তाদের সবাইকেই তার থেকে কিছু কিছু দিই। वृक्षि करत वामरत तरला छ।? वासात त्रव कुल अपना कुरिं ए । सर्वेत छटना भव ठाऊ। जात सिष्टि रहा छटिए । असा ता, जारे। कानरे असा। वाप्ति वाप्तात वागात जातात ज्वा वार्यका कत्ता ।







